जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ

(डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) उदयपुर

8 वाँ ध्रुपद समारोह एवं विशिष्ठ अलंकरण समारोह-2018

'साधारिणी गीति अलंकरण'

मान्यवर पद्मश्री उमाकान्तजी रमाकान्तजी गुन्देचा

आपश्री भ्रातद्वय ने उदयपुर मेवाड़ में पल्लवित - पुष्पित ध्रुपद गायन-वादन शैली को आत्मसात करते हुए इस शैली और इसकी विशिष्ट साधारिणी गीति विधा में विशिष्टता प्राप्त कर ध्रुपद गायन-वादन शैली को समस्त भारत और विश्व के कोने कोने तक प्रचारित-प्रसारित करने के लिए सतत् क्रियाशील रहते हुए अथक प्रयत्न किये हैं, जिनकी शब्दों में प्रशंसा करना शक्य नहीं है।

विशिष्ट रूप से मेवाड़ और राजस्थान की भारतीय शास्त्रीय संगीत को देन स्वरूप इस साधारिणी गीति ध्रुपद गायन-वादन विधा के संरक्षण संवर्धन के लिए आपश्री की निस्वार्थ सेवा के अभिनन्दन स्वरूप मेवाड़ संगीत जगत से सम्बन्ध रखने वाला जन - समुदाय आपश्री भ्रातद्वय को **''ध्रुपद साधारिणी गीति अलंकरण''** समर्पित करते हुए अत्यन्त गौरवान्वित अनुभव करता है।

हम आपश्री भ्रातद्वय के सपरिवार सुखी, समृद्ध, स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की मंगलकामना मेवाड़नाथ परमेश्वराँजी भगवान श्री एकलिंगनाथ जी से करते हैं।

शुभंभवतु-कल्याणम्

प्रो. आर.पी. नाराणीवाल
कुल सचिव

कर्नल प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत
कुलपति

Scanned by CamScanner